GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CULTURE
RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.*94
ANSWERED ON 13.02.2025

ENCROACHMENT ON THE BIRTHPLACE OF MUSIC MAESTRO TANSEN

*94 SHRI DIGVIGAYA SINGH:

Will the Minister of CULTURE be pleased to state:

.

(a) the persons responsible for encroaching upon the birthplace of music maestro Ramtanu Pandey also popularly known as Tansen, in the village of Behat located in the Gwalior district of Madhya Pradesh;

(b) whether Government is making efforts to remove the said encroachment; and

(c) whether Government has any plans for the upgradation and development of the Dhrupad Centre located in Behat, if so, the details thereof and by when this Centre is expected to be developed?

ANSWER

THE MINISTER OF STATAE IN THE MINISTRY OF CULTURE
(SHRI RAO INDERJIT SINGH)

(a) to (c) A Statement is laid on the table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PART (a) TO (c) OF RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 94* FOR 13.02.2025.RAISED BY SHRI DIGVIJAYA SINGH, HON'BLE MEMBER OF PARLIAMENT REGARDING ENCROACHMENT ON THE BIRTHPLACE OF MUSIC MAESTRO TANSEN.

(a) & (b) Birthplace of Music Maestro, Tansen in village of Behat District Gwalior, Madhya Pradesh is not protected monument under the jurisdiction of Archaeological Survey of India (ASI). However, as per information from State Archaeology & Museums, Government of Madhya Pradesh, there are already houses built around Tansen's house.

(c) At present there is no proposal with ASI or State Archaeology & Museums, Government of Madhya Pradesh for the upgradation and development of Dhrupad Centre located in village Behat.

*****

भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *94
उत्तर देने की तारीख: गुरूवार, 13 फरवरी, 2025
24 माघ, 1946 (शक)

संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली पर अतिक्रमण

***94. श्री दिग्विजय सिंह:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में स्थित ग्राम बेहट में संगीत सम्राट रामतनु पाण्डे, जिन्हें आम तौर पर तानसेन के नाम से भी जाना जाता है, की जन्मस्थली पर अतिक्रमण के लिए कौन-कौन लोग जिम्मेदार हैं;

(ख) क्या सरकार उक्त अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रयास कर रही है; और

(ग) क्या सरकार की बेहट स्थित ध्रुपद केंद्र के उन्नयन और विकास की कोई योजना है,यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस केंद्र का विकास कब तक होने की संभावना है?

उत्तर

संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री राव इन्द्रजीत सिंह

(क) से (ग): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली पर अतिक्रमण के संबंध में माननीय सांसद श्री दिग्विजय सिंह द्वारा पूछे गए दिनांक 13.02.25 को उतरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 94 के भाग (क) से (ग) के उतर में संदर्भित अनुबंध

(क) और (ख): मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के बेहट ग्राम में स्थित संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत संरक्षित स्मारक नहीं है। तथापि, राज्य पुरात्तत्व एवं संग्रहालय विभाग, मध्य प्रदेश सरकार की ओर से प्राप्त सूचना के अनुसार, तानसेन के घर के आस-पार पहले से ही घरों का निर्माण किया गया है।

(ग): वर्तमान समय में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अथवा राज्य पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के पास बेहट गाँव में स्थित ध्रुपद केन्द्र के उन्नयन एवं विकास से संबंधित कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****

श्री मिलिंद मुरली देवराः उपसभापति महोदय, मुझे प्रश्न पूछने का अवसर देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, कुछ ही दिन पहले चीन के बीजिंग में रामायण का मंचन हुआ। महोदय बीजिंग में एक बहुत ही प्रेस्टिजियस थिएटर है और उस थियेटर का नाम है - शुन्यी ग्रैंड थिएटर। महोदय, उस थिएटर में उन्होंने मेंडरिन भाषा में रामायण का पहला बड़ा मंचन आयोजित किया। महोदय, मैं मानता हूं कि यह भारतीय संस्कृति के लिए एक बहुत ही बड़ी सांस्कृतिक और डिप्लोमेटिक जीत है। मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा और प्रश्न पूछना चाहूंगा कि, does the Ministry have any plans to take Ramayan, Mahabharat and our classic arts, music, literature to the Far East, East Asia and South-East Asia where there is a huge influence of our culture on these regions?

श्री उपसभापतिः माननीय सदस्य, बहुत-बहुत धन्यवाद, हालांकि प्रश्न है - Encroachment on the Birthplace of Music Maestro Tansen. माननीय मंत्री जी चाहें, तो इस प्रश्न का जवाब दे सकते हैं।

राव इन्द्रजीत सिंहः आदरणीय उपसभापति जी, जैसा कि आपने फ़रमाया है कि विषय music maestro का है और one of the greatest music maestro Tansen के विषय पर है, लेकिन माननीय सदस्य द्वारा जो सवाल सप्लीमेंटरी प्रश्न के तौर पर पूछा गया है, उसके अंदर तंत है और मैं समझता हूं कि हरेक मुल्क का यह प्रयास रहता है कि उसकी छवि, उसके एपिक्स और मुल्कों तक पहुँचाएँ जाएँ। ये किस ज़रिये से पहुँचाएँ जाएं, उस पर विचार किया जा सकता है, लेकिन मैं समझता हूं कि इसको पहुँचाने की आवश्यकता पर आज की सरकार के अंदर, नरेन्द्रभाई मोदी की सरकार के अंदर प्राथमिकता दी जाती है। माननीय सांसद महोदय का सुझाव अच्छा है, हम इसको जरूर कंसिडर करेंगे।

श्री उपसभापतिः माननीय मंत्री जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। डा. अजित माधवराव गोपछड़े जी, मैंने आपको विषय बता दिया है कि किस पर सवाल पूछना है।

डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः मेरा सवाल इसी से संबंधित है। क्योंकि हिंदुस्तान की संस्कृति पर आक्रमण हो रहा है, इसलिए मैं उसी के बारे में पूछ रहा हूं।

श्री उपसभापतिः आप उसी से संबंधित सवाल पूछिए।

डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि हमारे हिंदुस्तान की संस्कृति पर एक आक्रमण हो रहा है। महोदय, ब्रॉडकास्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः सवाल कुछ और है।

डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः नहीं, वही है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; I will not allow. सवाल है - Encroachment on the Birthplace of Music Maestro Tansen.

डा. अजित माधवराव गोपछड़े:[*]

श्री उपसभापति: वह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। आप बैठ जाइए। वह रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है। ...(**व्यवधान**)...
डा. अजित माधवराव गोपछड़े : [*]

श्री उपसभापति: आप बैठ जाइए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 95. Shri Rajeev Shukla- not present. Supplementaries, please.

** Q. No. 95. [The questioner was absent.]*

---

[*] Not recorded.

[*] Not recorded.